गोंडवाना की रानी

आज से चार–पाँच सौ साल पहले मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में गोंड लोगों के चार राज्य थे। यह इलाका इसीलिए गोंडवाना कहलाता था।

कौन–कौन से जाने–माने राजाओं का राज रहा है, उनके बारे में पता करो। गोंड लोगों का एक राज्य जबलपुर के पास था। उस समय उस जगह को गढ़ा–कटंगा कहते थे। गढ़ा–कटंगा के गोंड राजा बहुत धनी थे। दूसरे राजा गढ़ा के राजा से जलते थे।

1543 में दलपतिशाह गढ़ा का राजा बना। लोग उसकी बहुत तारीफ करते थे। उसकी रानी का नाम दुर्गावती था। वह किसी और राजा की बेटी थी। 1545 में दुर्गावती ने एक बेटे को जन्म दिया। उसका नाम वीर नारायण था। पर, जाने क्या हुआ कि 1550 में दलपतिशाह मर गया। उसका बेटा सिर्फ 5 साल का था। अब गढ़ा का राजा कौन बनता? महिलाएँ राज पाट चलाएँ ऐसा तो होता था, पर वे मुखिया भी कहलाएँ इसे ठीक नहीं माना जाता था। वे किसी पुरूष, चाहे वह छोटा सा लड़का ही क्यों न हो को ही राजा बनवाकर उसके नाम से राजपाट चला सकती थीं।

वीरनारायण को गढ़ा का राजा बनाया गया, पर उसकी माँ रानी दुर्गावती ही राज्य का सारा कामकाज चलाने लगी। गोंडवाना की रानी दुर्गावती की बहादुरी को बहुत माना जाता है। वह शेरों का भी शिकार करती थी। वैसे, बिना वजह अपने शौक के लिए जानवरों को मारना कोई अच्छी बात तो नहीं है पर उन दिनों सभी राजा ऐसा ही किया करते थे।

अब जब रानी दुर्गावती गढ़ा पर राज्य कर रही थी तो दूसरे राज्यों के राजाओं को लगा कि शायद गढ़ा का राज्य आसानी से उनके हाथ में आ जाएगा। कई राजाओं ने गढ़ा पर हमला किया। पर, रानी दुर्गावती ने अपने राज्य की रक्षा की। उसने अपने आसपास के कुछ छोटे–मोटे राजाओं को हराकर उनके राज्य भी जीत लिए।

तभी खबर आई कि अकबर नाम का एक बहुत ताकतवर राजा गढ़ा पर हमला करने के लिए अपनी सेना भेज रहा है। गढ़ा के सैनिक और सेनापति डर गए। पर दुर्गावती निडर बनी रही। उसने अपने सैनिकों को साथ लिया और राजा अकबर की सेना से टक्कर लेने चल पड़ी। बहुत भयंकर लड़ाई हुई। रानी दुर्गावती और उनके सैनिक बड़ी वीरता और हिम्मत से लड़े पर हार गए। तब रानी ने तलवार भोंक कर खुद को मार डाला। अकबर ने गढ़ा के राज्य पर कब्ज़ा कर लिया। गढ़ा राज्य का सारा धन, सोना, हीरे, जवाहरात, मोती, हाथी आदि उसके हाथ में आ गए।

1. दुर्गावती कहाँ की रानी थी?

2. दुर्गावती क्यों मशहूर हुई?

3. भारत के नक्शे में पता करो जबलपुर कहाँ है। तुम्हारी जगह से वह किस दिशा में है?

4. राजाओं की बहादुरी के बारे में बहुत–सी कहानियाँ सुनी–सुनाई जाती हैं। तुम्हें क्या लगता है, राजे–महाराजे क्यों लड़ते रहते थे?

मध्य प्रदेश के रठवा

अपने प्रदेश में कई तरह के लोग रहते हैं।

अलग–अलग लोग अलग-अलग भाषाएँ बोलते है। सबके अपने तीज– त्यौहार, सबके अपने जीने के तरीके मध्यप्रदेश की खासीयत है।

यहाँ कई समाज के लोग हैं जो पुराने समय से यहाँ रह रहे हैं। कई लोग आसपास के प्रदेशों से आकर यहाँ बस गए हैं – या तो व्यापार करने या नौकरी करने के लिए।

आओ, मध्य प्रदेश के इतने अलग तरह के लोगों में से एक समाज के बारे में थोड़ी सी बाते जानें।

रठवा लोग

मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग में गुजरात से लगे हुए इलाके में रठवा जाति के लोग रहते हैं। ये लोग खेती करते हैं और बरसात में तो अपने खेतों में धान उगाते हैं।

और दूसरे मौसम में दूसरे इलाकों मे मज़दूरी करने चले जाते हैं। वे गाय, बकरी, मुर्गी भी पालते हैं। जंगल से फल, गोंद, शहद, गूगल आदि जमा करते हैं – खाने और बेचने के लिए।

रठवा लोग रठवी भाषा बोलते है। रठवी कुछ मालवी, कुछ मराठी, गुजराती और भिलाली भाषाओं से मिलती है। भिलाली उसी क्षेत्र में रहने वाले भील जाति के लोगों की भाषा है।

जब वे अपने घर बनाते हैं तो उनमें अपने देवी देवताओं की स्थापना करते हैं। यह मानकर कि वे घर वालों और गाय ढोर आदि की रक्षा करेंगे। वे अपने घर की दीवारों पर इनके चित्र बनाते हैं।

तुम्हारे गाँव में कौन–कौन से समाज के लोग रहते हैं
वे कौन–कौन सी भाषा बोलते हैं?क्या एक दूसरे की भाषा समझ लेते हैं?
वे क्या–क्या काम करते हैं? जंगल में? खेत में? दूसरे गाँव जाकर?
क्या वे सब एक ही तरह देवी–देवता मानते हैं या अलग–अलग? क्या वे अपने घर मे देवी–देवता रखते हैं?
तुम्हारे गाँव मे कौन–कौन से त्यौहार मनाए जाते हैं? कैसे मनाते हैं ये त्यौहार? आपस में चर्चा करो। क्या तुम्हारे गाँव में मेघनाद या खानडेर का त्यौहार मनाया जाता है? यदि हाँ तो उसका विवरण लिखो। नहीं तो गुरुजी से पता करो।

चित्रकारी से पहले

दीवार पर चिकनी मिट्टी और गोबर/प्लास्टर के जगह के लेप से पुताई करते हैं। इस पर चूना नहीं पोतते। फिर जिस हिस्से में चित्र बनाए जाने होते हैं, उसके चारों तरफ रंग बिरंगा पाट बनाया जाता है।

चित्रों के बारे में

चित्रों में रठवा के देवी देवता आमतौर पर घोड़े पर बैठे या घोड़ों से घिरे हुए दिखाए जाते हैं।

देवताओं की बारात का दृश्य हो या किसी और कहानी का अन्य पात्र हो, जानवर तो होंगे ही, कई सारे घोड़े भी ज़रूर होंगे।

घर की दीवारों पर कई तरह के चित्र बनाते हैं। पर सबसे ज़यादा वे घोड़ों के चित्र बनाते हैं–घोड़ों पर सवार आदमी, गाड़ी खींचता हुआ घोड़ा। घोड़ों के अलावा वे सूरज और चाँद, बन्दर, बैल के साथ किसान, गाय – बछड़ा, कुआँ, दही से मक्खन निकालते लोग, ऊँट, राजा रावण के चित्र भी बनाते हैं। इन चित्रों को फिर रंग भरकर सजाते हैं।

मध्य प्रदेश में जो रठवा रहते हैं, उनके चित्रों में ज़्यादातर सफेद रंग भरते हैं। कुछ ही घोड़ों को नीला, पीला, या हरा रंगते हैं।

घोड़े बनाना इन लोगों की खासियत है। और हैरानी की बात यह है कि सभी घोडे बिलकुल एक जैसे बनते हैं।

बराबर ऊँचाई के और सबका एक सा आकार होता है। पहले के समय में तो चित्रकारों में यह खूबी थी कि एक आकार के कई घोड़े बना लेते थे। पर अब लोग टीन का सांचा बनाकर रखते हैं और उससे घोड़े की गर्दन और धड़ बना लेते हैं।

रंग घोलने के लिए पलाश की पत्ती के दोने बनाते है। इनमें सूखे रंगों को दूध या महुए के रस में घोलकर रखते हैं।

तुम्हारे गाँव के लोग भी क्या अपने घरों पर चित्र बनाते हैं?
किस तरह के? अपनी कॉपी पर बनाओ।
चित्र किस चीज़ से बनाते हैं? रंगते हैं, तैयारी करते हैं?

लिखो और एक दूसरे को पढ़कर सुनाओ।

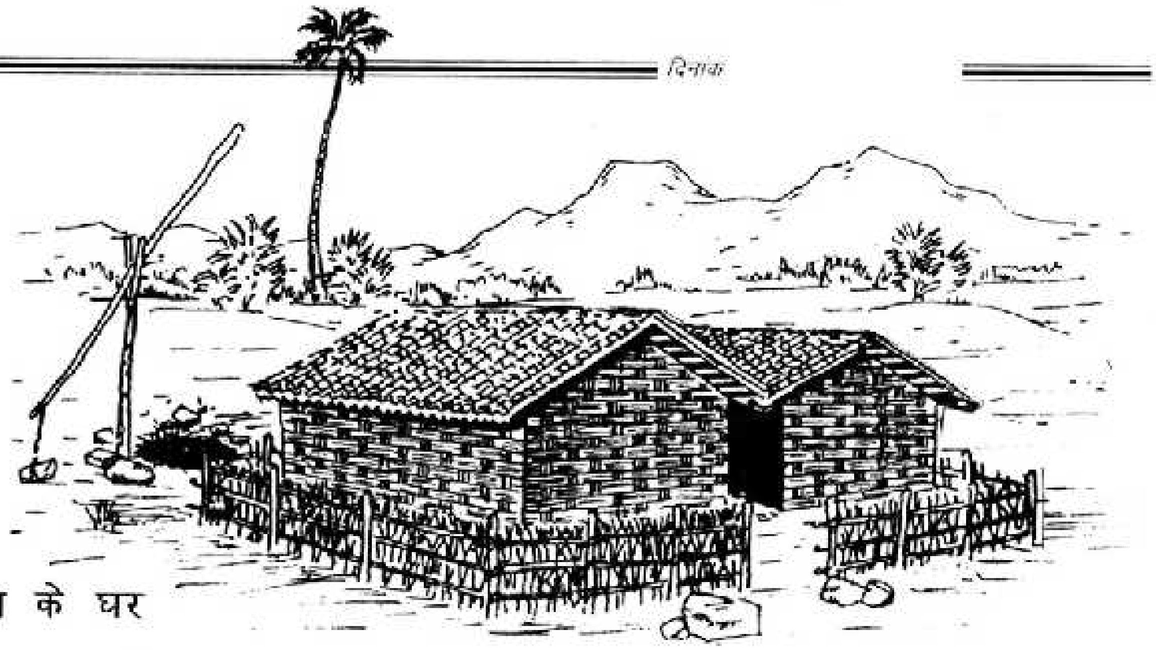

रठवा के घर

रठवा मकान खेत के पास होता है और चारों तरफ मज़बूत बागौड़ होती है। घर का मुख्य दरवाज़ा आमतौर पर पूर्व दिशा की ओर खुलता है। दीवारें बाँस पर मिट्टी और गोबर भर कर बनाई जाती है ज़मीन पर भी इसी का लेप पोता जाता है। छत पर बाँस के ढाँचे पर रखकर उसे कवेलू या सूखी पत्तियों से ढँका जाता है। घर में घुसने का दरवाज़ा एक ही होता है– सामने की तरफ।

जो दीवार बरामदे को रसोई से अलग करती है, उसे पूज्य माना जाता है और इन्हीं दीवारों पर चित्रकारी की जाती है।

इस चित्र में घर का सामान है।

तुम पहचानो क्या–क्या है, उसका उपयोग क्या होता होगा? इनमें से कौनसी चीज़ें तुम्हारे घर में भी होती हैं।

तुम्हारे यहाँ किस तरह के घर होते हैं? चित्र बनाओ और उनके बारे में लिखो।

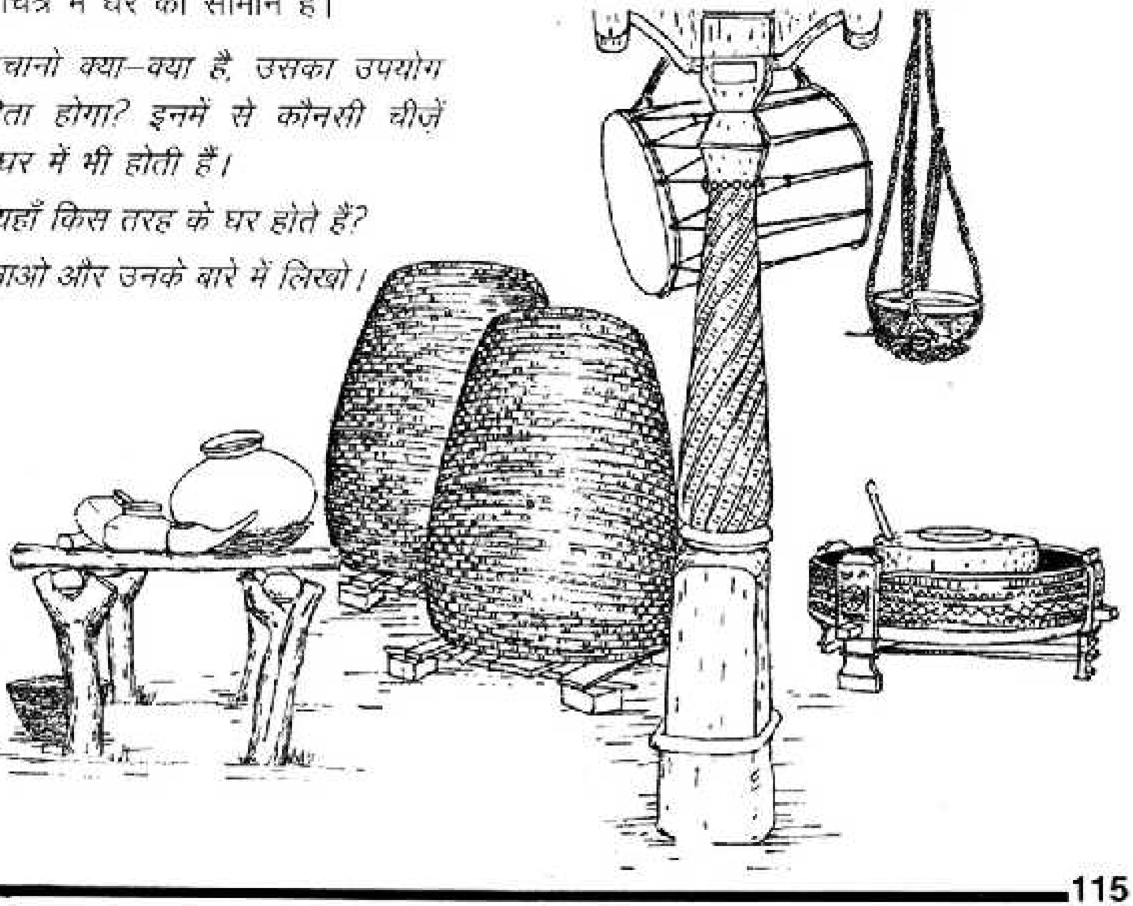

हर जानवर से सही गोला मिलाओ

मैं पानी को तीर बनाकर
शिकार करती हूँ।

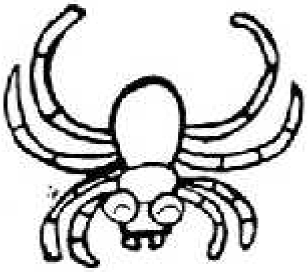

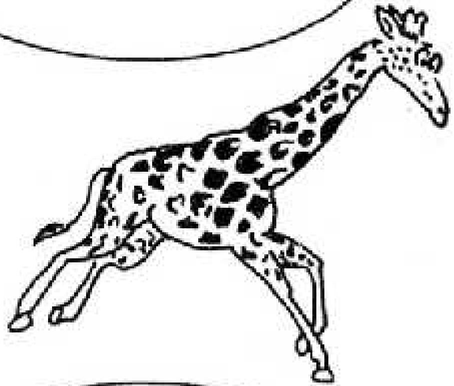

मैं पानी पर दौड़ सकती हूँ।

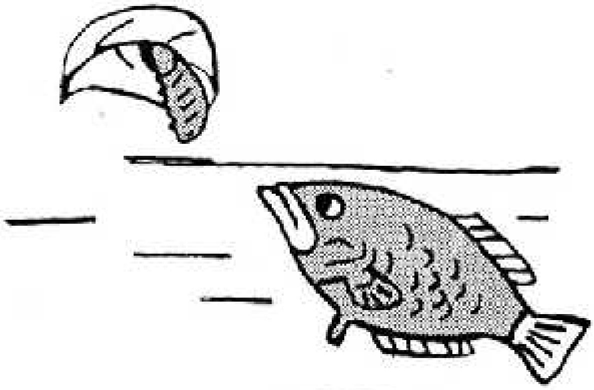

मेरे पास है एक मज़बूत कवच।

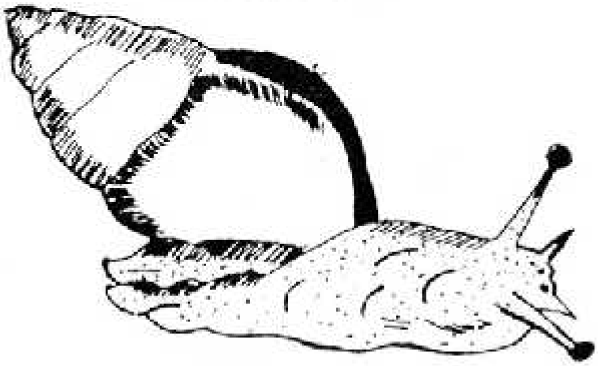

मेरे जाल से तुम मछली
नहीं पकड़ सकते हो।

मेरा नाम जिराफ है।

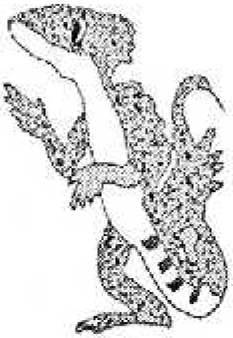

खुशी-खुशी, कक्षा 4 भाग 3

यह पुस्तक एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत तैयार की गई है।
सामग्री तैयार करने में कई स्रोतों से मदद ली गई।

प्रकाशकः **एकलव्य**
ई-10, बीडीए कॉलोनी शंकर नगर,
शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (म.प्र.)
फोनः (0755) 255 0976, 267 1017 फैक्सः (0755) 255 1108
www.eklavya.in
सम्पादकीयः books@eklavya.in
किताबें मँगवाने के लिएः pitara@eklavya.in

मुद्रकः आर. के. सिक्युप्रिंट प्रा. लि., भोपाल फोनः (0755) 2687 589

तीसरा संस्करणः 1997
पुनर्मुद्रणः फरवरी 2006/1000 प्रतियाँ
तीसरा पुनर्मुद्रणः मार्च 2010/1000 प्रतियाँ
चौथा पुनर्मुद्रणः सितम्बर 2010/2000 प्रतियाँ
70 gsm मेपलिथो एवं 150 gsm पल्प बोर्ड कवर
ISBN: 978-81-87171-73-7

मूल्यः 70.00

मध्य प्रदेश

तुमने इस किताब में मध्यप्रदेश के बारे में पढ़ा। यहाँ पाई जाने वाली नदियाँ, यहाँ के पर्वत, यहाँ के उगने वाले पेड़ आदि के बारे में भी तुमने पढ़ा और इनके चित्र देखे। मध्यप्रदेश में पाए जाने वाले जानवर तुम्हें याद हैं न!

यहाँ तुम्हें कुछ चित्र दिख रहे हैं। अब इन चित्रों को पहचानकर उनका नाम नीचे लिखे हुए नामों में ढूँढो। और नाम ढूँढकर उसे चित्र के सामने लिखो।

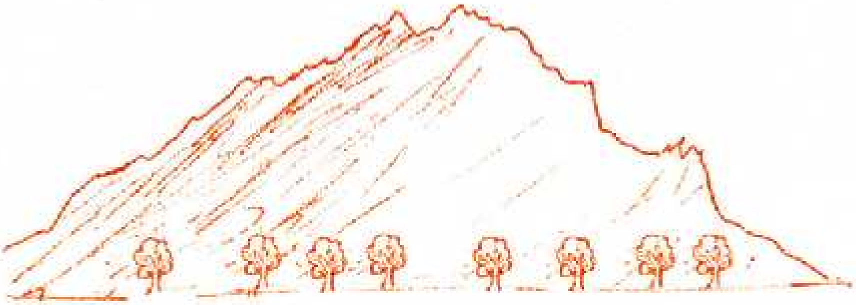

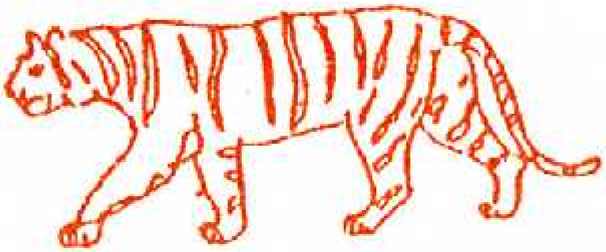

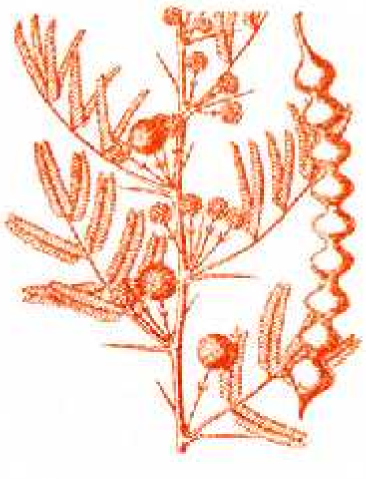

बबूल का फूल　　मक्के की खेती　　साल का फूल　　सतपुड़ा पर्वत

धान की खेती　　विंध्य पर्वत　　बाघ　　रठवा　　सिंह

सबसे तेज़ जानवर कौन?

ज़मीन पर सबसे तेज़ जानवर है चीता और सबसे धीमा है सुस्तपांव जो कि खड़ा तक नहीं हो पाता है और अपने आपको घसीटकर आगे बढ़ता है। यहां पर सभी जानवरों की गति किलोमीटर प्रति घंटा के हिसाब से दी गई है। जैसे अगर कहीं 45 लिखा हुआ है तो इसका मतलब ये है कि अगर वो जानवर उसी गति से चले तो 1 घंटे में वह 45 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है।